EditorsBreaking

ताज़ा समाचार और नवीनतम अपडेट

कारोबार

घर-घर में बन रहे लोअर, एप्रनि व अचार

प्रकाशति तथिि: 23 Nov 2026



- दो सौ महलिाओं का सहारा बना सूर्या फाउंडेशन

(संजय तोमर)

ग्वालयिर| करीब दो सौ से ज्यादा महलिाओं का समूह ग्वालयिर व भड़ि के ग्रामीण क्षेत्रों में अनोखी क्रांतकिर रहा है। इस स्व सहायता समूह में शामलि महलिाएं घरेलू उपयोग में आने वाला सामान बनाकर स्वावलंबी ही नहीं बन रहीं वरन वह लखपतदिीदी बन चुकी हैं। घर पर ही हाथ से बने वभिन्नि उत्पादों का नरि्माण करके जहां खुद को इन महलिाओं ने आत्मनरि्भर बनाया है वरन वे ग्रामीण क्षेत्र की महलिाओं को भी सशक्त बनाने के लिए प्रशक्षिति कर रही हैं।

मालनपुर स्थति सूर्या फाउंडेशन की ओर से रवविार को एक कार्यक्रम आयोजति कयिा गया। इसमें आई कुछ महलिाएं ऐसी थीं जो यहां हो रहे वभिन्नि कार्यक्रमों में अपने स्टाल के साथ मौजूद थीं। बेहद शांतचत्ति होकर पूरे आयोजन को देख रहीं कवति, क्रांत िऔर ऊषा अपने घरेलू उत्पादों के साथ यहां मौजूद थीं। वभिन्नि प्रकार के अचार, गोबर से बनी धूप बत्ती, गणेश प्रतमिा और घर में प्रयोग होने वाले पुराने कपड़े के बने दरी, चादर और अन्य उत्पाद ऐसे थे जो बेहद आकर्षक व उपयोगी दखि रहे थे। सूर्या फाउंडेशन ऐसी महलिाओं को आत्मनर्भिर बनाने के लएि लगातार कई वर्षों से प्रशक्षिण दे रहा है।

अचार, लोअर, एप्रनि का हो रहा नर्मिाण

समूह से जुड़ी एक महलिा कांत िने बताया क िघर पर बनाए गए उत्पादों को बड़े शहरों में होने वाले मेलों में बक्री के लएि वे ले जाती हैं। यहां पर आने वाले सैलानी उनके बनाए अचार, पापड़, बड़ी जैसे उत्पादों को पसंद आने पर खरीदते हैं। इससे उनको हर माह 15-20 हजार रुपए की आय होती है। वहीं ऊषा ने बताया क वे भी बेहद आकर्षक ढंग से बनाए गए मट्टिी व गोबर की गणेश प्रतमिाएं व गोबर से बनी धूप बत्ती व इसी तरह के अन्य उत्पाद तैयार करती हैं। इनको बक्री के लएि बड़े-बड़े मेलों व दुकानों पर बेचा जाता है। फाउंडेशन भी हमें इनकी बक्री में मदद कराता है। कवति ने बताया क सिधिवारी गांव में टीशर्ट, लोअर, हैंडबैग, एप्रनि जैसे उत्पादों का नर्मिाण कर शहरों में भजिवाते हैं। उन्होंने बताया क इससे उन्हें हर माह 35-40 हजार रुपए की आय हो जाती है। भडि जलिै के इकहरा में भी महलिाएं घर पर बनाए गए वभिन्नि उत्पादों से अच्छी आय अर्जति कर आत्मनर्भिरता का संदेश दे रही हैं।

लाखों की कर रही आय

समूह के समन्वयक का कार्य करने वाले नरोत्तम ने बताया क समूह से दो सौ से ज्यादा महलिाएं जुड़ी हैं। इनमें तीन महलिाएं ऐसी हैं जो हर माह एक लाख रुपए तक की आय अर्जति कर लखपत दीदी बन चुकी हैं। इनके अलावा कई महलिाएं हर माह 15 से 20 हजार रुपए तक की कमाई अपने बनाए गए उत्पादों से कर रही

हैं। सूर्या रोशनी लमिटिेड के सीईओ वसुमत्रि पांडेय ने बताया कि हम महलिाओं के शक्षिा व स्वास्थ्य को लेकर भी ग्रामीण क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इससे महलिाओं को आर्थकि व सामाजकि स्तर पर भी सशक्त बनाया जा सके हैं।

टैग: #business news #surya roshni limited #good news #vasumitra pandey #jayprakash agrawal